

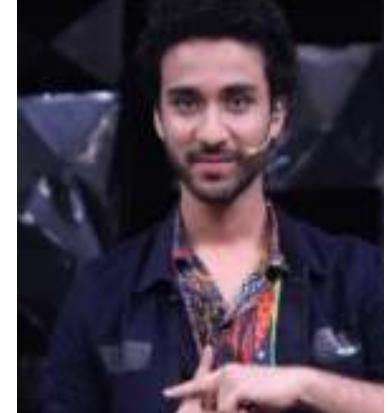


# बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ, कानपुर, कन्नोज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोपन्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहाइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

राघव जुयाल ने किसी का भाई किसी की ...12



दैनिक बुद्ध का संदेश

9795951917, 9415163471

@budhakasandesh

budhakasandeshnews@gmail.com

www.budhakasandesh.com

गुरुवार, 13 अप्रैल 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण

www.budhakasandesh.com

वर्ष: 10 अंक: 112 पृष्ठ 12 आमंत्रण मूल्य 2/-रुपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड— SDR-DLY-6849, डी.ए.पी.पी.कोड—133569

सम्पादक : राजेश शर्मा

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

## पीएम मोदी बोले- आजादी के अमृतकाल में बड़े लद्यों और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ रहा भारत

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में सरकार ने आधुनिक और विकसित नवनियुक्त शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई। श्रावस्ती नेहरू मोदी ने इसका लोक वीडियो संदेश जारी किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा रोजगार मेलों का आयोजन कर-

विभिन्न पदों पर युवाओं की भर्ती भारत की आवश्यकताओं के देखते ही गई है, जिसमें से 22,400 से हुए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हुआ युवाओं की शिक्षक के पद की है। यह नीति बच्चों के सर्वाधिगं पर भर्ती हुई है। उन्होंने कहा कि विकास... सम्पूर्ण विकास, ज्ञान और मैं इन सभी युवाओं को शिक्षण जैसे भारतीय मूल्यों के संवर्धन पर जोर महत्वपूर्ण कार्य से जुड़े होने के लिए देती है। इस नीति को प्रभावी रूप बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं से लागू करने में शिक्षकों की आगे बढ़ रहा है। इन लक्ष्यों आगे बढ़ रहा है। इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विकास अपने भीतर के विद्यार्थी को आप हमें जागृत रखिए। उन्होंने कहा कि जो लोग किसी के जीवन में सभसे बड़ा प्रभाव डालते हैं, वे निश्चित रूप से किसी की माँ और शिक्षक होते हैं। जिस तरह आपके शिक्षक आपके दिलों में रहते हैं, उसी तरह आपको भी अपने छात्रों के दिलों में जगह बनानी है।

अब नए कोविड टीके नहीं खरीदेगा स्वास्थ्य मंत्रालय  
नई दिल्ली। भारत में कोविड केंद्र शासित प्रदेशों को मुफ्त में स्थानीक चरण की ओर बढ़ रहा है, अगले 10-12 दिनों तक मामले बढ़ सकते हैं और उसके बाद कम होगे। हालांकि भीड़िया रिपोर्ट के अनुसार केंद्र सरकार ने अभी और अधिक कोविड वैक्सीन नहीं खरीदने का फैसला किया है और राज्यों से कहा

गया है कि वे खुद वैक्सीन खरीदें। कोविड टीके मुहैया कराकर उनकी मदद कर रहा है। मंत्रालय की लिए वेबसाइट के अनुसार, राष्ट्रव्यापी 4,237 करोड़ रुपये या 2022-23 कोविड-19 टीकाकरण अभियान के बजट आवंटन का लगभग 85 के तहत देश में अब तक टीकों को 220.66 करोड़ खुराक दी जा था। पिछले साल 16 जनवरी को चुकी है। लेकिन भारत ने हाल ही में कोविड मामलों में उछल देखा की संख्या बढ़कर 40,215 पर पहुंच गई है। मंगलवार को, 7,830 नए

हम लोगों को नहीं जलाते हैं, आदित्य का केंद्र पर बड़ा अटैक, राम मंदिर का निर्माण केंद्र सरकार की वजह से नहीं हो रहा

मुंबई। शिवसेना (यूटीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने मंगलवार को

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और कहा कि भगवा पार्टी महाराष्ट्र में दंगे भड़का रही है। आदित्य ठाकरे की प्रतिक्रिया तब आई जब

वह हैदराबाद के गीतम विश्वविद्यालय में छात्रों के एक समूह को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, आदित्य ठाकरे ने कहा कि उनके लिए हिंदूत्व स्पष्ट रूप से परिभाषित है। आदित्य ने कहा कि हमारा हिंदूत्व स्पष्ट रूप से परिभाषित है। हम लोगों को उनके खाने से नहीं जलाते। अगर यह भाजपा का हिंदूत्व है, तो यह मुझे, मेरे पिता, मेरे दादा और दमारे लोगों को स्तीकार्य नहीं है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर केंद्र सरकार की वजह से नहीं बन रहा है। उन्होंने कहा कि अगर आपको लगता है कि राम मंदिर का निर्माण केंद्र सरकार की वजह से हो रहा है, तो यह गलत है।

हिन्दी दैनिक बुद्ध का संदेश समाचार पत्र

में सरकारी विज्ञापन, नियिका, अव्याधीनी नोटिस, सम्बान्ध, सूचना, टैक्ट प्रकाशन के लिए आज ही सम्पर्क करें।

सभी जनपदों से आवश्यकता है प्रकारों की

सम्पादक:- दैनिक बुद्ध का संदेश

8795951917, 9453824459

E-mail ID:- www.budhakasandesh.com

www.budhakasandesh.com

budhakasandeshnews@gmail.com

9795951917, 9453824459

E-mail ID:- budhakasandeshnews@gmail.com

www.budhakasandesh.com

budhakasandeshnews@gmail.com

9795951917, 9453824459

E-mail ID:- www.budhakasandesh.com

budhakasandeshnews@gmail.com

www.budhakasandesh.com

budhakasandeshnews@gmail.com

9795951917, 94538





# सम्पादकीय

वो यह कि न्यायपालिका  
आज के सत्ता पक्ष के  
राजनीतिक मक्सदों को  
साधने में सहायक बन रहा  
है। कम से कम निचले स्तर  
पर ऐसा होने के संदेह पैदा  
हुए हैं। वैसे ऊपरी स्तर पर  
भी जिस तरह संविधान  
संशोधन जैसे अनेक  
मामलों को लटका कर  
रखा गया है, उससे ऐसी  
धारणा को बल मिला है।  
कहा जा सकता है कि...



A photograph of a man with dark hair and a prominent mustache. He is wearing a light-colored, possibly yellow or gold, shawl draped over his shoulders and a black t-shirt underneath. The background shows a red and white striped awning, suggesting an outdoor event or market. The man is looking directly at the camera with a neutral expression.

लेखक विनय कांत मिश्र / दैनिक बुद्ध का सन्देश

लेकिन राहुल को ही क्यों कुछ कहूँ? राहुल कम-से-कम 269 को तो फक्षलो करते हैं, कांग्रेस अध्यक्ष खडगे तो सिफर्ट 86 पर ही रुके हुए हैं। मीडिया-संप्रेषण की भारी-भरकम और सब से अहम जिद्देदारी निभा रहे प्रभारी महासचिव जयराम रमेश तो 72 पर ही लटके हुए हैं। पार्टी-संगठन के प्रभारी महासचिव के. सी. वेणुगोपाल 150 से आगे नहीं बढ़ रहे। इन तीनों से ज्यादा केंद्रीय भूमिका तो ...

पंकज शर्मा  
अब राहुल हों या नरेंद्र भाई, इतना बड़ा देश है, किस—किस को फॉलो करें? जिसे न करें, वही मुंह फुला लेगा। एक अनार, सौ बामारों का कैसे इलाज करें? इसलिए अपने अनुगमियों की तुलना में नरेंद्र भाई सिफर्ड 0.003 प्रतिशत लोगों को और राहुल महज 0.001 फीसदी लोगों को ही फॉलो करते हैं। मैं तो मानता हूं कि इतना बढ़प्पन दिखाना भी जनतंत्र को मजबूत बनाने के लिए काफी है। वरना संसार के सब से बड़े लोकतंत्र का राष्ट्रपति को पूरा ठेंगा ही दिखाए बैठता है। आप ही की तरह इतनी तो अक्छल मुझ में भी है कि मैं समझ सकता हूं कि नरेंद्र भाई मोदी और राहुल गांधी जैसे बड़े लोग अपने आभासी—मंचों यानी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का संचालन खुद नहीं करते हैं। इस काम के लिए वे एक टोली रखे रहते हैं। ठीक भी है। अगर टिवटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर वे स्वयं ही बैठे रहेंगे तो देश कब चलाएंगे? और, देश नहीं चलाएंगे तो देश चलेगा कैसे? सो, देश को चलाने की खबरियाँ वे आभासी—संसार में

पनी मौजूदगी बनाए रखने का जिधमा  
स्सरों पर छोड़ देते हैं और फिर यह दूसरों  
की बुद्धि पर है कि वे अपने—अपने  
जेघल्ले—सुब्बानी की कैरी शक्कल दुनिया  
के सामने पेश करते हैं। मगर नरेंद्र भाई हों  
गा राहुल, अपने नाम से चलने वाली चूं-चूं  
उठिया यानी ट्रिवटर और शक्कल—पुस्तिका  
गानी फेसबुक पर परोसी जा रही सारी  
सामग्री के लिए तकनीकी और नैतिक तौर  
र जिधमेदार तो वे खुद ही माने जाएंगे  
। सो, अगर उन की तरफ से शशीशी भरी  
गुलाब कीय जैसी कोई ट्रक—टें पो  
र—ओ—शायरी पोस्ट होती है तो लोग तो  
उन्हीं पर हंसेंगे। लोगों को भले ही मालूम  
हो कि यह नरेंद्र भाई या राहुल के दिमाग  
की नहीं, उन की टोली के किसी नह्ने—मुन्ने  
हाही के अधकचरे मस्तिष्क की उपज है दृ  
तनी जवाबदेही तो मूल खातेदार की मानी  
जाएगी कि उस ने अपने बहीखातों के  
न्नों पर ऐसे जमूरे बिठा क्यों रखे हैं?  
ज्यादातर बड़े लोग इसलिए बड़े हैं कि  
उन्हें तो जमाना फॉलो करता है, मगर वे  
ने—गिनों को ही अपने सामाजिक संपेण्डण  
मंचों पर फॉलो करते हैं। मसलन, ट्रिवटर  
पर इस वक्त सब से ज्यादा फॉलोइंग  
एलन मस्क के हैं। वे ट्रिवटर के मालिनी  
जो ठहरे! जितने चाहें फॉलोअर बना ले  
सो, उन के 13 करोड़ 38 लाख से ज्यादा  
फॉलोअर हैं। मगर वे खुद सिफ्ट 15  
लोगों को फॉलो करते हैं। अमेरिका  
राष्ट्रपति जो बाइडन के करीब पौने चढ़ा  
करोड़ फॉलोअर हैं, लेकिन वे महज 47 ही  
फॉलो करते हैं। अरे, अमेरिकी राष्ट्रपति  
है भाई, कोई सड़क—चलते थोड़े ही हैं। रा  
अलग बात है कि उन के पूर्ववर्ती बराबर  
ओबामा के सामने वे फॉलोअर की तादाद  
कहीं नहीं ठहरते हैं। ओबामा दुनिया  
ट्रिवटर—अनुगामियों के मामले में मस्क  
बाद दूसरे क्रम पर हैं। उन की गठरी में  
करोड़ 30 लाख फॉलोअर हैं, मगर वे इत्तम  
उदार भी हैं कि 5 लाख 62 हजार  
ज्यादा लोगों को खुद भी फॉलो करते हैं।  
हमारे नरेंद्र भाई के पौने नौ करोड़  
ज्यादा फॉलोअर हैं। वे ढाई हजार से कुछ  
ज्यादा लोगों को फॉलो भी करते हैं। हम  
धौंकर जिन गुब्बल गांधी के वे पीछे पड़े

# इस झटके से सीखें



शुरू की जाती है। चूंकि विपक्षी नेताओं के मामले में इसका का ट्रैंड बन गया है, इसलिए यह दारणा बनी है कि विपक्षी नेताओं को योजनाबद्ध ढंग से निशाना बनाया जा रहा है। लेकिन कोर्ट धारणा के आधार पर काम नहीं कर सकता। वह न्याय के सिद्धांत और साक्ष्य के आधार पर काम करता है। यह वैधानिक स्थिति है। बहरहाल, व्यवहार में न्यायपालिका के बारे में भी एक दारणा बनती गई है। वो यह कि न्यायपालिका आज के सत्ता पक्ष के राजनीतिक मकसदों को साधने में सहायक बन रही है। कम से कम निचले स्तरों पर ऐसा होने के संदेह पैदा हुए हैं। वैसे ऊपरी स्तर पर भी जिस तरह संविधान संशोधन जैसे अनेक मामलों को लटका कर रखा गया है, उससे ऐसी धारणा को बल मिला है। कहा जा सकता है कि केंद्रीय एजेंसियों के कक्ष ने इन दोनों धारणाओं को ध्यान में नहीं रखा। ता पक्ष को यह तर्क प्रदान किया है कि विपक्ष

खिलाफ याचिका दायर करने के मामले में विपक्ष ने इन दोनों धारणाओं को ध्यान में नहीं रखा। नतीजा यह हुआ है कि इस मामले में उसने सत्ता पक्ष को यह तर्क प्रदान किया है कि विपक्ष सुप्रीम कोर्ट में हार गया।

# ਬੇਰਵੀਪ ਹੋਨੇ ਕਾ ਝੁੰਤਾਜਾR

कार्यक्रम में नफरती भाषण दिए गए, लेकिन उस पर पुलिस व्या कार्रवाई कर रही है, अभी कुछ पता नहीं। अलबत्ता पुलिस ने आयोजकों के खिलाफ आईपीसी की धारा 188 के तहत मामला दर्ज किया कि कार्यक्रम के लिए पुलिस से अनुमति नहीं ली थी। सरेआम देश को हिंदू राष्ट्र बनाने का ऐलान करना देश के लिए खतरनाक है या फिर गरीबी के लिए आवाज उठाना और राजनीतिक द्वेर्मानी पर तंज करना...

**लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का सन्देश**

के नियंता कौन हैं? दरअसल इस ब्रह्मांड को चलाने वाले प्रभु श्री राम चंद्र जी हैं। प्रभु श्री राम जी बिना श्री हनुमान जी को अपने साथ लिए हुए एक कदम भी नहीं चलते हैं। श्री राम और श्री हनुमान जी का एक साथ चलना प्रभु (मालिक) और सेवक का एक साथ चलना है। साध्य और साधक का इतना उत्कृष्ट तादात्म्यीकरण दुनिया के किसी भी धार्मिक इतिहास नहीं के बराबर है। श्री हनुमान जी अपने सेवक धर्म के कारण अति विशिष्ट और पूज्य होते हैं। वे भगवान की श्रेणी में पूजित हैं। हनुमान का अर्थ विशिष्ट जबड़े वाला है। अपने विशिष्ट जबड़े के कारण ही वे कपीश हैं। संकट मोचक हैं। अपनी विशिष्टता के कारण ही वे लंकेश रावण की लंका का दहन करने वाले हैं। सवाल यह है कि श्री हनुमान जी महाराज में इतनी शक्ति कहां से आती है। श्री हनुमान जी में अपने आराध्य के प्रति अगाध, निष्ठा और समर्पण की पराकाष्ठा है। अपनी इसी निष्ठा के कारण ही वे ब्रह्मांड के प्रत्येक असंभव को संभव करने वाले हैं। प्रत्येक असंभव को संभव करने के कारण है कि सुबह जब सफाई कर्मियों को सड़क पर झाड़ लगाकर साफ सफाई करते हुए देखता हूं तब एक बात स्पष्ट होती है कि प्रत्येक सफाई कर्मी साफ सफाई करते हुए श्री हनुमान जी महाराज की आराधना के गीत सुनता रहता है। हे! दुःख भंजन मारूति नंदन। सुन लो मेरी पुकार। और य को नहिं जानत है कपि संकट मोचन नाम तिहारो। आप जरा सोचिए कि मजदूर हों या अभिजात्य वर्ग के लोग वे लोग क्यों सुनते हैं कि दुनिया चले न श्रीराम के बिनाए राम जी चले न हनुमान के बिना। क्योंकि श्री राम चंद्र जी इस अखिल ब्रह्मांड के मुख्य नियंता और श्री हनुमान जी महाराज इस दुनिया के सभी कष्टों को हरने वाले हैं।

कोई आपकी नीतियों की आलोचना करे, तो इसका बिल्कुल भी ये मतलब नहीं होता कि वो शर्टी नेशनलश है, अभिव्यक्ति की आजादी और लोकतंत्र में आलोचना के अधिकार को लेकर ये महत्वपूर्ण टिप्पणी हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने की थी। लेकिन ऐसा लगता है कि महाराष्ट्र सरकार तक इस टिप्पणी से निकला संदेश पहुंचा नहीं है या फिर सरकार ने इसे अनसुना कर दिया है। क्योंकि महाराष्ट्र की शिंदे गुट वाली शिवसेना और भाजपा की गठबंधन सरकार ने दो युवा गायकों पर उनके गीतों के कारण मामला दर्ज किया है। ये दोनों युवक अलग—अलग पृष्ठभूमि के हैं, दोनों ने गीत भी अलग—अलग समस्याओं को लेकर अलग ढंग से लिखे। लेकिन दोनों के गीतों को सोशल मीडिया पर खबर देखा और सराहा गया। इसका सीधा मतलब यही है कि जनता भी उनके गीतों और गीतों में व्यक्त भावनाओं से इत्तेफाक रखती है। लेकिन महाराष्ट्र सरकार को ये गीत नागवार गुजरे और इसलिए अब इन युवा कलाकारों पर कानून का डंडा चलाया गया है। औरंगाबाद के रैपर राज मुंगासे का मराठी भाषा में रैप गीत आया, जिसका शीर्षक है चोर और इसके शुरुआती बोल हैं श्चोर आले 50 खोखे धोऊ किती बाघा, चोर आलेख एकदम ओके हूं, जिसका हिंदी अनुवाद है कि श्वेतो, चोर 50 करोड़ रुपये के साथ आ गए हैं। देखो, चोर बिल्कुल ठीक दिखते हैं इस गीत में श्री मुंगासे ने किसी राजनीतिक दल, किसी नेता का नाम नहीं लिया, लेकिन एकनाथ शिंदे सरकार ने इसे आपत्तिजनक पाया। गौरतलब है कि एकनाथ शिंदे और उनके साथ गए विधायकों पर दल बदलने और उद्धव ठाकरे सरकार को गिराने के एवज में मोटी रिश्वत लेने के आरोप लगे थे। इस राजनीतिक तख्तापलट के बाद श्री शिंदे मुख्यमंत्री बने थे। राज मुंगासे के गीत को शिंदे सरकार ने अपने ऊपर ले लिया और शिंदे गुट के एक कार्यकर्ता ने राज मुंगासे पर प्राथमिकी दर्ज कराई। राज मुंगासे पर धारा 501 (मानहानि), 504 (शांति भंग करने के लिए जानबूझकर अपमान) और 505 (2) (वर्गों के बीच दुश्मनी पैदा करने वाले बयान) के तहत मामला दर्ज किया गया है। गौरतलब है कि राज मुंगासे दलित समुदाय से आते हैं, अम्बेडकरवादी आंदोलनों में वे भाग लेते रहे हैं और हाल ही में उन्होंने बौद्ध धर्म अपनाया है। महाराष्ट्र सरकार के निशाने पर आने वाले दूसरे रैपर हैं उमेश खाडे, जो खाडे शंभो के नाम से मशहूर हैं। उनके गीत शजनता भोंगली केलीश यानी आपने जनता को नंगा कर दिया, मैं भी किसी राजनीतिक दल का जिक्र नहीं है, बल्कि गीत में इस ओर ध्यान दिलाया गया है कि कैसे गरीब और हाशिये पर पड़े लोगों को जीवनयापन के लिए उनके हाल पर छोड़ दिया जाता है, जबकि राजनीतिक दल बड़ी-बड़ी सौदेबाजी में व्यस्त हैं। इस गीत पर मुंबई पुलिस की क्राइम इंटेलिजेंस यूनिट ने शिकायत दर्ज की। उन पर आईपीसी की धारा 504, 505 (2) और आईटी अधिनियम 2000 की धारा 67 (इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में अश्लील सामग्री प्रकाशित या प्रसारित करना) के तहत मामला दर्ज किया गया। हालांकि उन्हें पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। वैसे महाराष्ट्र में भोंगली एक आम ग्रामीण शब्द है, जिसका इस्तेमाल नग्नता के संदर्भ में किया जाता है और खाडे शंभो ने राज्य पर अपने नागरिकों की परवाह नहीं करने के लिए तीखे लहजे में इस शब्द का इस्तेमाल किया। उन्होंने विपक्ष के नेताओं पर भी अपने गीत में निशाना साधा है। दो रैपरों को उनके मन के गीत लिखने और सुनाने पर कानूनी कार्रवाई का सामना महाराष्ट्र में करना पड़ा है। हालांकि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, सत्ता के कोपभाजन पहले भी बहुत से लोग केवल इसलिए बने हैं, बल्कि उन्होंने सत्ता की आलोचना करने या नेता का मखौल उड़ाने की हिम्मत दिखाई। प. बंगाल में जादवपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अंबिकेश महापात्रा को 11 साल पहले ऐसी ही कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा था, व्यौकि उन्होंने ममता बनर्जी पर बने एक कार्टून को आगे बढ़ाया था। अंबिकेश महापात्रा को 2012 को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन उन्हें बाद में जमानत मिल गई और अभी इस साल जनवरी में वे पूरी तरह दोषमुक्त करार दिए गए। प्रो. महापात्रा ने आरोप मुक्त होने पर कहा था कि कानूनी लड़ाई के अंत के बाद उन्हें अच्छा लगा, लेकिन वे उस दिन का इंतजार करेंगे जब लोग ऐसे झूठे मामलों के खिलाफ उठेंगे और इस युग से झूठे मामलों का अंत होगा। प्रो.महापात्रा ही नहीं, देश के तमाम नागरिकों को ऐसे दिन का इंतजार है, जब वे बेखौफ अपने देश में रह सकें और गलत को गलत, सही को सही कहने की आजादी महसूस कर सकें। सत्ता पर बैठे लोगों पर कोई कार्टून बना दे, तंज कस दे या उनकी कमीयों की ओर इशारा कर दे, उन्हें उनके कर्तव्यों की याद दिला दे, ये बता दे कि सत्ता पर वे सुख भोगने के लिए जनता की सेवा के लिए बैठे हैं, तो इन सबसे माननीयों की भावनाओं को ठेस पहुंच जाती है। लेकिन कुछ लोग जो सरेआम देश के संविधान को उत्ता बताकर वैमनस्य फैलाने का काम करते रहते हैं, उन पर कानूनी कार्रवाई नहीं होती। बल्कि कई बार तो सत्ता उन्हें संरक्षण देती है, जिससे विभाजनकारी ताकतों की हिम्मत और बढ़ जाती है। जैसे इस रविवार को ही पूर्वतर दिल्ली के करावल नगर में आयोजित एक शहिंदू राष्ट्र पंचायतश में यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के सदस्यों ने शहिंदू राष्ट्र बनाने और शहिंदू राष्ट्र बनाने के लिए जादवपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अंबिकेश महापात्रा को लेकर कार्रवाई करने का आवाहन किया। भाजपा नेता और यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जय भगवान गोयल ने कहा, श2025 में आरएसएस के 100 साल पूरे होने से पहले उसका लक्ष्य देश को हिंदू राष्ट्र बनाने का सपना पूरा करना है। हम सबसे पहले उत्तर-पूर्वी दिल्ली को एक हिंदू राष्ट्र जिला बनाएंगे और फिर पूरे देश को हिंदू राष्ट्र बनाएंगे। इस कार्यक्रम में कई भाजपा नेता भी शामिल थे।

रूप में अश्लील करना) के तहत किए उन्हें पूछताछ प्रेस महाराष्ट्र में बद्ध है, जिसका किया जाता है अपने नागरिकों द्वारा तीखे लहजे में। उन्होंने विपक्ष में निशाना साझे के गीत लिखने वाई का सामना हालांकि ऐसा कोपभाजन इसलिए बने हैं, जो चोचना करने या सम्पत्ति दिखाई। प. ललय के प्रोफेसर न पहले ऐसी ही करना पड़ा था, और पर बने एक बिकेश महापात्रा गया था, लेकिन और और अभी इस दोषमुक्त करार दोषमुक्त होने पर के अंत के बाद उस दिन का झूठे मामलों के से झूठे मामलों का अंत होगा। प्रो.महापात्रा ही नहीं, देश के तमाम नागरिकों को ऐसे दिन का इंतजार है, जब वे बेखौफ अपने देश में रह सकें और गलत को गलत, सही को सही कहने की आजादी महसूस कर सकें। सत्ता पर बैठे लोगों पर कोई कार्टून बना दे, तंज कस दे या उनकी कमियों की ओर इशारा कर दे, उन्हें उनके कर्तव्यों की याद दिला दे, ये बता दे कि सत्ता पर वे सुख भोगने के लिए जनता की सेवा के लिए बैठे हैं, तो इन सबसे माननीयों की भावनाओं को ठेस पहुंच जाती है। लेकिन कुछ लोग जो सरेआम देश के संविधान को धाता बताकर वैमनस्य फैलाने का काम करते रहते हैं, उन पर कानूनी कार्रवाई नहीं होती। बल्कि कई बार तो सत्ता उन्हें संरक्षण देती है, जिससे विभाजनकारी ताकतों की हिम्मत और बढ़ जाती है। जैसे इस रविवार को ही पूर्वोत्तर दिल्ली के करावल नगर में आयोजित एक शहिंदू राष्ट्र पंचायतश में यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के सदस्यों ने शहिंदू राष्ट्रश बनाने और श्लव जिहादश को लेकर कार्रवाई करने का आव्हान किया। भाजपा नेता और यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के अंतराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जय भगवान गोयल ने कहा, २०२५ में आरएसएस के 100 साल पूरे होने से पहले उसका लक्ष्य देश को हिंदू राष्ट्र बनाने का सपना पूरा करना है। हम सबसे पहले उत्तर-पूर्वी दिल्ली को एक हिंदू राष्ट्र जिला बनाएंगे और फिर पूरे देश को हिंदू राष्ट्र बनाएंगे। इस कार्यक्रम में कई भाजपा नेता भी शामिल थे।

# जमूरों के भरोसे चलता आभासी-संसार

उन राहुल के टिवटर-अनुगामियों की संख्या 2 करोड़ 32 लाख है, मगर राहुल खुद सिफर्ड 269 को ही फॉलो करते हैं। नरेंद्र भाई अब तक 38 हजार से ज्यादा ट्वीट कर चुके हैं। राहुल ने पौने 7 हजार के आसपास ट्वीट किए हैं। राहुल ने टिवटर पर अपना खाता अप्रैल 2015 में खोला था और नरेंद्र भाई ने जनवरी 2009 में। इस हिसाब से राहुल औसतन सवा दो ट्वीट हर रोज करते हैं और नरेंद्र भाई सवा 7 ट्वीट हर रोज करते हैं कि आप दंग रह जाएं। दोनों की ही सूची में ऐसे-ऐसे शामिल नहीं हैं कि आप देख कर चकित रह जाएं। मैं नहीं कहता कि वे जिन के अनुगामी हैं, उन के नाम देख कर या वे जिन के अनुगामी नहीं हैं, उन्हें सूची में अनुपस्थिति देख कर नरेंद्र भाई या राहुल के बारे में कोई राय बनाई जानी चाहिए। क्योंकि दोनों को इस संदेह का लाभ मिलना चाहिए कि वे टिवटर पर किस का अनुगमन करेंगे और किस का नहीं। दृ यह भी उन की तरफ से उन की लिपिक-टोली ने तय कर दिया होगा। लेकिन फिर भी व्यवस्था के मानस को समझने के लिए यह जानना दिलचस्प तो है ही कि वे किन्हें फॉलो करते हैं। तो आप को यह जान कर हैरत हो सकती है कि राहुल गांधी देश भर के जिन महज छह बुद्धिजीवियों और सपत्रकारों को फॉलो करते हैं, वे हैं—मृणाल पांडे, राघव बहल, पी, साईनाथ, सायमा, नंदन नीलकेनी और कौशिक बसु। अगर आप सोचते हैं कि नरेंद्र भाई के खिलाफ झांडा बुलंद किए धूम रहे लेखकों, सपत्रकारों, टीवीकर्मियों और यूट्यूबर—सरबगारों को तो

राहुल जरूर फॉलो करते होंगे तो चाहें तो अपने एकदम गलत होने पर विलाप कर लें! लेकिन नरेंद्र भाई हैं कि राहुल के रोम-रोम का विश्लेषण करने वाला शायद ही कोई ऐसा कलाकार-पत्रकार होगा, जिसे वे ट्रिवटर पर फॉलो नहीं करते हैं। मैं अनुपम खेर, शेखर कपूर और विवेक अग्निहोत्री की ही नहीं, सुधीर चौधरी, रुबिका लियाकत, सुशांत सिन्हा, गौरव आर्य और सुमित अवस्थी से ले कर, और-तो-और, अमन चोपड़ा तक की भी बात कर रहा हूं। बस, गिनते चले जाइए। कांग्रेस के जिन शदिगणजेंय को राहुल फॉलो करते हैं, उन के नाम मैं आप को क्या बताऊँ? लेकिन यह मैं आप को जरूर बताना चाहता हूं कि दिल्ली के सिफर्द तीन कांग्रेसियों को वे फॉलो करते हैं दृ अजय माकन, अनिल चौधरी और अमता धब्बन। उन की बाकी दो को नहीं। मैं ऐसी बहुत-सी अजीबोगरीब विरोधाभासी मिसालें दे सकता हूं मगर आप कहेंगे कि मैं बाल की खाल निकाल रहा हूं, सो, यहीं रुक जाता हूं। अब राहुल हों या नरेंद्र भाई, इतना बड़ा देश है, किस-किस को फॉलो करें? जिसे न करें, वही मुंह फुला लेगा। एक अनार, सौ बामारों का कैसे इलाज करें? इसलिए अपने अनुगामियों की तुलना में नरेंद्र भाई सिफर्द 0.003 प्रतिशत लोगों को और राहुल महज 0.001 फीसदी लोगों को ही फॉलो करते हैं। मैं तो मानता हूं कि इतना बड़पन दिखाना भी जनतंत्र को मजबूत बनाने के लिए काफी है। वरना संसार के सब से बड़े लोकतंत्र का राष्ट्रपति को पूरा ठेंगा ही दिखाए बैठा है। अमेरिका में तो किसी ने नहीं पूछा कि वह ऐसा क्यों कर रहा है?

An advertisement for Budh Prakashan. At the top left is a golden statue of the Buddha. The main title 'बुद्ध प्रकाशन' is written in large, bold, white Devanagari characters. Below it, 'ऑफ-सेट एण्ड प्रिंटर्स' is written in smaller white characters. The background features a collage of various printed products: a ledger book, several colored books, a calculator, a smartphone, a pen, a small calendar, and a small booklet with a cartoon character on the cover. The entire advertisement is set against a red header bar.

# नहीं थम रहा सूर्यकुमार यादव का बैडलक, पहले रोहित शर्मा ने जड़ा जोरदार छक्का तो अर्जुन हुए गोल्डन डक का शिकार फिर खा बैठे चोट तेंदुलकर खुद बन गए अंपायर, दिया ऐसा एक्शन

टी20 क्रिकेट में अपनी खास छाप छोड़ने वाले भारतीय टीम के विप्पोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव इस बार इंडियन प्रीमियर लीग के 16वें सीजन में कोई खास धमाल नहीं मचा पा रहे हैं। बीते दो महीनों से उनका बल्ला पूरी तरह से शांत पड़ा हुआ है। लंबे समय से सूर्य कुमार यादव क्रिकेट के तीनों ही फॉर्मेट में कोई धमाल नहीं कर सके हैं। पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खराब प्रदर्शन करने के बाद अब वो इंडियन प्रीमियर लीग में भी कोई खास कमाल नहीं कर सके हैं।

इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भी सूर्यकुमार यादव गोल्डन डक का शिकार हो गए। मुकेश कुमार द्वारा डाली ही गेंद पर वो आउट होकर पवेलियन लौट गए। सूर्यकुमार यादव की



बार था जब वो गोल्डन डक का शिकार हुए थे। वहीं अन्य तीन पारियों में भी उनके बल्ले से खास रन नहीं निकले हैं।

गौरतलब है कि टी20 क्रिकेट के नंबर-1 बल्लेबाज सूर्य कुमार यादव का लगातार गोल्डन डक का शिकार होना सभी के लिए

मुकाबले में चोटिल हुए सूर्यकुमार यादव: दिल्ली पर पवेलियन लौट गए।

# ट्रक की टवकर से जीप के परखचे उड़े, चालक की मौत, चार गंभीर

**देवरिया- कसाया मार्ग पर बैकुंठपुर मोड़ के पास हुआ हादसा, कट्या, बिहार से सवारी लेकर वाहन जा रहा था देवरिया**

रामपुर कारखाना। थाना क्षेत्र के बैकुंठपुर मोड़ के पास कटव्य बिहार से सुबह सवारी लेकर देवरिया जा रही एक जीप के ट्रक की चपेट में आने से चालक की मौत हो गई। वहीं चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने जीप को इतनी जबरदस्त टक्कर मारी कि उसके परखचे उड़ गए। हादसे में घायलों को पुलिस ने पीएचसी पहुंचाया, जहां उनकी हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। दुर्घटना के बाद दे वरिया—कसया मार्ग पर अफरा—तफरी मच गई। हादसे में करीब छह लोगों को मामूली चोट आई, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। बिहार प्रांत के गोपालगंज जिला स्थित कटव्य थाना क्षेत्र से जीप चालक सुबह सवारियों को लेकर देवरिया के लिए निकला। अभी वह देवरिया—कसया मार्ग पर रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के बैकुंठपुर मोड़ के पास पहुंचा था कि सामने से तेज रफ्तार आ रही ट्रक ने ठोकर मार दिया। ट्रक की गति इतनी तेज थी कि जीप के अगले हिस्से के परखचे उड़ गए। हादसे में जीप चालक गोपालगंज जिले के कटव्य थाना क्षेत्र स्थित ए नौती गांव निवासी प्रभु दयाल 35 वर्ष पुत्र श्रीनारायण, किरन देवी 30 वर्ष पत्नी रंभू भूज निवासी कटव्य बाजार व उसकी पांच वर्षीय पुत्री पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद रेखा, बबीता 35 वर्ष पत्नी विजय रंगवा, शिल्पी 20 वर्ष पत्नी नंद रंगवा निवासी बरवा तिवारी, कटव्य घायल हो गए। हादसे के बाद चीख—पुकार मच गई। ग्रामीण दौड़ कर मौके पर पहुंचे। जानकारी मिलते ही इंस्पेक्टर नरेंद्र प्रताप राय, एसएसआई शैलेश कुमार पुलिसकर्मियों के के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिसकर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को पीएचसी डुमरी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख घायलों को एंबुलेंस से सदर अस्पताल भिजवाया गया, जहां डॉक्टरों ने चालक प्रभु दयाल को मृत घोषित कर दिया। जबकि अन्य घायलों का इलाज किया गया। जीप में अधिकांश सवारी गोपालगंज जिले की थी। उधर से गुजर रहे रामपुर कारखाना भाजपा मंडल अध्यक्ष दीपक जायसवाल पुरुषोत्तम पांडेय के साथ देवरिया जा रहे थे। उन्होंने थानाध्यक्ष को फोन किया और जीप में सवार पांच स्कूली छात्रों को बाहर निकलवाया। छात्रों को हल्की चोट आई थी। उन्हें दूसरे वाहन से जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उपचार के बाद छात्रों को छुट्टी दे दी गई।

# नदी में उतराता मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

# थाना ओबरा पुलिस ने 03 क्रूप्टल लहन किया गया नष्ट

दैनिक बुद्ध का सन्देश  
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक डॉ० यशवीर सिंह के कुशल निर्देशन में



आगामी नगर निकाय चुनाव—2023 के दृष्टिगत जनपदीय पुलिस द्वारा अवैध । शराब के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें शराब की दुकानों का निरीक्षणध्येयिंग सहित अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के क्रम में दिनांक 12.04.2023 को थाना ओबरा पुलिस द्वारा 03 नफर अभियुक्तगण के कब्जे से 87 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद करते हुए लगभग 03 कुण्टल लहन नष्ट किया गया, 03 शराब की भट्टिया तोड़ी गयी। भट्टी संचालकोशशराब बनाने वाले 1. शिव शंकर पुत्र चन्द्रदेव, निवासी—साईं मंदिर, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र के कब्जे से 19 लीटर 2. राजकुमार पुत्र स्व० विनोद, निवासी—सेक्टर—04 साईं मंदिर के पास थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र के कब्जे से 38 लीटर 3. सुनील पुत्र राजेन्द्र, निवासी—सेक्टर—04 साईं मंदिर के पास थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र के कब्जे से 30 लीटर देशी शराब को बरामद कर गिरफ्तारी की गयी। उक्त बरामदगीधिगिरफ्तारी के सम्बंध में थाना ओबरा पर मु030सं0—88४२०२३ धारा 60(2) आबकारी अधिनियम का

# माँक डिल से जांची कोरोना से बचाव की व्यवस्था

# आभयाग पजाकृत कर आग्रम कारवाइ का गया । **कचहरी परिसर में चक्रमण कर** **वकीलों ने जताया विरोध**

कालपुर बाज़ पासोविहार के अधिकारीओं का किया समर्थन

दैनिक बुद्ध का सन्देश  
सोनभद्र। कानपुर बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं के समर्थन में बुधवार



को जनपद न्यायालय सोनभद्र के परिसर में अधिवक्ता एकता जिंदाबाद के नारे लगाते हुए सोनभद्र के वकीलों ने चक्रमण कर विरोध जताया। साथ हीं न्यायिक कार्य से विरत रहने का फैसला किया। जिसकी वजह से कोर्ट का कामकाज प्रभावित रहा और वादकारी परेशान रहे। सोनभद्र बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार पाठक एडवोकेट के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने राबर्टसंगंज कच्छहरी परिसर में नारेबाजी करते हुए चक्रमण कर विरोध जताया। वकीलों ने कानपुर बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं की जायज मांगों का समर्थन किया। उक्त मौके पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय पांडेय, पूनम सिंह, बिंदु यादव, दिनेश दत्त पाठक, राजेंद्र चौधरी, अरुण कुमार पांडेय, राजीव कुमार सिंह गौतम, पवन मिश्र, गोविंद मिश्र, रणछोर प्रसाद पांडेय, अखिलेश मिश्र, आनंद मिश्र, रमेश चौबे, देवानंद चौबे आदि अधिवक्ता मौजूद रहे। उधर डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष रामचंद्र सिंह एड व महामंत्री एड विमल प्रसाद सिंह, पूर्व अध्यक्ष दयाराम सिंह यादव एड, पूर्व उपाध्यक्ष एड पवन कुमार सिंह, एड अतुल प्रताप पटेल, एड महेंद्र प्रताप सिंह आदि अधिवक्ता भी कानपुर बार एसोसिएशन के समर्थन में न्यायिक कार्य से विरत रहे। जिसकी वजह से कोर्ट का कामकाज प्रभावित रहा और वादकारी परेशान रहे।

# डिलाइकरी ने राजकीय महाविद्यालय का किया औचक निरीक्षण

महाविद्यालय परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था के साथ ही छात्राओं को गणकता पूर्ण शिक्षा की जाये प्रदान-जिलाधिकारी













# गर्मियों में बनाकर पीएं ये 5 स्वादिष्ट मोजितो, आसान है इनकी रेसिपी



गर्मियां आ चुकी हैं और इस दौरान शरीर को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप पानी के साथ-साथ विभिन्न मोजितों को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं, जो न केवल आपकी व्यास बुझाएंगे, बल्कि आपको स्वस्थ भी रखेंगे। मोजितों बनाते समय रस का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन यदि आप शराब से बचना चाहते हैं तो आज हम आपको विभिन्न फलों और जड़ी-बूटियों से बनाए जाने वाले मोजितों की रेसिपी बताते हैं।

## वॉटरमेलन मोजितो

यह रसदार तरबूज, खट्टे नींबू और ताजे पुदीने का एक उत्तम मिश्रण है। इस मोजितो को बनाने के लिए तरबूज के टुकड़ों को ब्लेंडर में ब्लेंड करें और फिर इसे छान लें। अब एक गिलास में नींबू का रस, पुदीने के पत्ते और थोड़ी-सी चीनी या शहद डालकर अच्छे से मिलाएं, फिर इसमें बर्फ डालें और इसके ऊपर तरबूज का रस डालें। इसके बाद गिलास में सोडा पानी डालें, फिर इसमें तरबूज के कुछ छोटे टुकड़े डालकर इन्हें परोसें।

## कुकुम्बर मिट मोजितो

यह गर्मियों के लिए एक बेहतरीन ड्रिंक है। इस मोजितो को बनाने के लिए एक गिलास में खीरे के टुकड़े, पुदीने के पत्ते और नींबू का रस डालकर अच्छे से मसलें। अब इसमें बर्फ और सोडा पानी डालकर मिश्रण को अच्छी तरह मिलाएं। अंत में गिलास के किनारे पर खीरे की एक स्लाइस लगाएं और इसके बीच पुदीने के पत्ते डालकर ड्रिंक का सेवन करें।

## पाइनेएप्पल काकोनट मोजितो

कलासिक मोजितो पर यह ट्रॉपिकल टिवस्ट उन लोगों के लिए एक दम सही है, जो नारियल और अनानास के स्वाद को पसंद करते हैं। इसे बनाने के लिए अनानास के टुकड़े और नारियल के दूध को एक साथ ब्लेंड करें, फिर इस मिश्रण को छान लें और इसे एक गिलास में नींबू के रस, पुदीने के पत्तों और थोड़ी-सी चीनी के साथ मिलाएं। अब इसमें बर्फ डालें और ऊपर से सोडा पानी डालकर इसे परोसें।

## ब्लूबेरी बेसिल मोजितो

यह मोजितो खट्टे-मीठे स्वाद से भरपूर ब्लूबेरी और तुलसी का एक आदर्श मिश्रण है। इसे बनाने के लिए एक गिलास में ब्लूबेरी, तुलसी के पत्ते, नींबू का रस और चीनी को एक साथ डालकर मसलें। अब इसमें बर्फ और सोडा पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसके बाद इसमें कुछ ब्लूबेरी मैंगों जिंजर मोजितो

इस मोजितो में अदरक के साथ मसालेदार ट्रिवस्ट होता है। इसे बनाने के लिए आम के टुकड़ों और अदरक को ब्लेंडर में डालकर ब्लेंड करें, फिर इस मिश्रण को छान लें और इसे एक गिलास में नींबू के रस, पुदीने के पत्तों और थोड़ी-सी चीनी के साथ मिलाएं। अब इसमें बर्फ डालें और ऊपर से सोडा पानी डालकर इसे परोसें।

## रीदेवी ने मुझे हमेशा प्रेरित किया : 2 मिलियन डॉलर कलब में मारी धांसू एंट्री अमरीन कुरैशी

फिल्म निर्माता और निर्माता साजिद कुरैशी की बेटी अमरीन कुरैशी, जो राजकुमार संतोषी की श्वेत बॉय्स से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, ने कहा कि दिवंगत बॉलीवुड अभिनेत्री श्रीदेवी हमेशा से एक अभिनेत्री के रूप में उनकी



साउथ फिल्म स्टार नानी और कीर्थि सुरेश स्टारर निर्देशक श्रीकांत ओडेला की हालिया रिलीज फिल्म दसरा बॉक्स ऑफिस पर धांसू कमाई में बिजी है। फिल्म को रिलीज हुए 12 दिन पूरे हो चुके हैं। इन 12 दिनों में फिल्म दसरा ने शानदार कमाई करते हुए वर्ल्डवाइट स्टर पर करीब 100 करोड़ रुपये की बूल कमाई का आंकड़ा पार किया है। जबकि, फिल्म इंडियन बॉक्स ऑफिस पर अब तक करीब 75 करोड़ रुपये अपने नाम कर चुकी है। दिलचस्प बात ये है कि इस क्रिटिकल एक्कलेम फिल्म को देश ही नहीं, विदेशी बाजारों में भी खासा प्रसंद किया जा रहा है। फिल्म ने अमेरिकी बॉक्स ऑफिस पर कमाई के जबरदस्त आंकड़े हासिल किए हैं। अब तक फिल्म धुआंधार कमाई करते हुए अमेरिकी बॉक्स ऑफिस पर 2 मिलियन डॉलर कलब में शामिल हो चुकी है।

नानी की फिल्म की कमाई के ताजा आंकड़े द्वेष एक्सपर्ट तरण आदर्श ने शेयर किए हैं। फिल्म की कमाई के बारे में लेटेस्ट अपडेट देते हुए उन्होंने लिखा, दसरा ने नॉर्थ अमेरिका में 2 मिलियन डॉलर की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है। दसरा बॉक्स ऑफिस पर अपनी कमाई की रफतार बनाए हुए हैं। नानी की क्रिटिकली एक्कलेम और कमर्शियल सरक्सेसफुल फिल्म ने नॉर्थ अमेरिका में आधिकारिक 2 मिलियन डॉलर कमाई का बड़ा आंकड़ा हासिल कर लिया है। सबसे खास बात ये है कि इसी के साथ नानी पहली दफा 2 मिलियन डॉलर कमाई के आंकड़े के कलब में शामिल हो पाए हैं।

दिलचस्प बात ये है कि नानी और कीर्थि सुरेश की ये फिल्म भी रोंग और रस्टिक ग्रामीण बैकग्राउंड एक्सपर्ट तरण आदर्श ने शेयर किया है। इसके अलावा फिल्म इतनी देसी है कि ये पुष्पा की याद बार-बार दिलाती है। यही वजह है कि नानी की दसरा की लगातार तुलना पुष्पा से होती रही।

मक्खी स्टार नानी ने अपनी इस फिल्म का पूरे देश में जबरदस्त प्रमोशन किया था। बावजूद इसके फिल्म हिंदी बॉक्स ऑफिस पर खास अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। फिल्म ने हिंदी सर्किट में बीते 12 दिनों में कुल 2 करोड़ रुपये की ही कुल कमाई हासिल की है।

राघव जुयाल ने किसी का भाई किसी की जान की शूटिंग के दौरान किए 2 प्रोजेक्ट्स

एक्टर-डांसर राघव जुयाल, जो जल्द ही किसी की जान में नजर आएंगे, ने शेयर किया कि जब वह सलमान खान अभिनीत फिल्म की शूटिंग कर रहे थे, तब उन्होंने दो प्रोजेक्ट्स



के लिए भी समय निकाला था। किसी का भाई किसी की जान जिसका ट्रेलर सोमवार शाम को जारी किया जाएगा, 2023 में ईद पर रिलीज के लिए तैयार है। एसके एक प्रोडक्शन पर काम करने के अलावा, राघव ऑस्कर विजेता गुनीत मौंगा की सिख एंटरटेनमेंट के साथ एक अधोषित फिल्म के लिए अपने शेड्चूल को मैनेज भी कर रहे थे। अपने बिजी शेड्चूल के बारे में बताते हुए राघव ने कहारू में सलमान सर की फिल्म किसी का भाई किसी की जान का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं, जिसने मेरे 2023 की शानदार शुरुआत की। इसके अलावा, मैं उसी समय एक और अधोषित प्रोजेक्ट की शूटिंग भी कर रहा था, जिसका मतलब था कि शेड्चूल, किरदारों और सेट में बहुत फेरबदल करना था। राघव ने बताया कि उन्हें काम में लगातार ज्ञान प्रसारित करना पसंद है क्योंकि इससे उन्हें खुशी मिलती है। उन्होंने कहारू मैने इसके हर हिस्से को एज्ञॉय किया है, क्योंकि काम मुझे खुश रखता है। मैं भाग्यशाली महसूस करता हूं कि मुझे अपनी प्रतीभा दिखाने के लिए अच्छा काम और अवसर मिल रहे हैं।

## आंखों की सूजन कम करना चाहते हैं तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे, जल्द दिखेंगा फायदा



उम्र बढ़ने और त्वचा के खराब स्वास्थ्य जैसे कई कारणों की वजह से आंखों के क्षेत्र में सूजन की समस्या हो जाती है। हालांकि, इससे राहत पाने के लिए आपको किसी दवाई या क्रीम की जरूरत नहीं है। आप घर पर ही प्राकृतिक और घरेलू उपचार से आंखों की सूजन से छुटकारा पा सकते हैं। चलिए फिर आज इसी से जुड़े 5 घरेलू नुस्खे जानते हैं।

### टी बैग्स का इस्तेमाल करें

टी बैग्स एक बेहतरीन हैक है, जिसे आप आंखों की सूजन कम करने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। लाभ के लिए दो ग्रीन टी बैग को लगभग 5 मिनट के लिए पानी में डॉप करें और फिर उनमें से अतिरिक्त पानी निचोड़कर आंखों पर करीब 30 मिनट तक लगाएं। आप इस्तेमाल किए हुए टी बैग्स को दोबारा इन कामों में उपयोग कर सकते हैं।

### ज्यादा से ज्यादा सोने की कोशिश करें

आप कितने घंटे सोते हैं और किस तरह से सोते हैं, यह दोनों ही आंखों की महत्वपूर्ण हैं। अगर आप दिन में 7 घंटे से कम सोते हैं तो आंखों की सूजन होना जारी है, इसलिए ज्यादा से ज्यादा सोने और अपनी नींद पूरी करने की कोशिश करें। इसके अलावा सोते वक्त अपने सिर को थोड़ा ऊपर उठाएं। यह आपकी निचली पलकों में अनावश्यक तरल पदार्थ के संचय को रोकता है।

### डाइट में अधिक कोलेजन युक्त खाद्य पदार्थ शामिल करें

उम्र बढ़ने की वजह से आंखों के क्षेत्र में सूजन की समस्या होने लगती है। इससे राहत पाने के लिए रोजाना अधिक कोलेजन युक्त भोजन खाएं क्योंकि यह आपके घेरे होने की मांसपेशियों और ऊतकों को अधिक ताकत प्रदान करता है। विटामिन सी शरीर में कोलेजन उत्पादन को बढ़ाती है, इसलिए आपको नियमित रूप से नींबू, संतरा और हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करना चाहिए।

### ठंडी सिकाई से भी मिलियां राहत